|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Rakesh Ranjan	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	----	TIME OF BIRTH :	----
CITY :	Patna	STATE :	Bihar
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Palmistry	SERVICE NAME :	Palmistry Horoscope
QUESTION(S) :	Marriage, Private Job status, House, Economical condition.		
Address : Flat-104, Leela House, Plot1-57/A, SriRam Nagar Colony, Block B,Kondapur, Telangana 500084			
Mobile No. : 8657368884		Email ID : rakesh.nit.mca@gmail.com	
ORDER ID : #1076	PAYMENT ID : 295921417	AMOUNT : ₹524	
Order Date : 12/01/2020	Delivery Date : 16/01/2020	GSTIN : ####	

ॐ श्री गणेशाय नमः

हस्तरेखा फलादेश :

श्रीमान राकेश रंजन जी, आपकी दोनों हस्तों की हथेलियों से प्राप्त संकेतों के अनुसार आपका विकास एक हद तक होने के पश्चात एक स्टेज पर आने पर बाधित हो जाती है तत्पश्चात फिर से आप आगे बढ़ते हैं अपने आप को स्थापित करते हैं | धन आप कमाते हैं, आपके पास धन आता भी है किन्तु रुकता नहीं है, अनावश्यक कार्यों में धन खर्च हो जाने के कारण धन का संचय नहीं हो पाता है | धन संचित न हो पाने के कारण आप जीवन के कई महत्वपूर्ण कार्य करने में स्वमं को असमर्थ पाते हैं | आपको धन अर्जित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी | आप यदि अपने पिता के सानिध्य में रहेंगे तो अधिक विकास करेंगे आपके कार्य भी सुचारु रूप से बनते चले जायेंगे | पिता से विच्छेदन, अलगाव आपके विकास को बाधित करेगा | यदि आपके पिता जीवित हैं तो उनके सानिध्य में कार्य करें पिता के न होने पर सूर्य देव की उपासना करें उन्हें प्रसन्न करें | ऐसा आपकी सूर्य ऊँगली में तिल स्थित होने के कारण है | आपका सूर्य का घर अच्छी स्थिति में है जिस कारण आपका मनोबल उच्च स्तर का है, आप कठिन परिस्थितयों में हार नहीं मानते व उनके समक्ष समर्पण भी नहीं करते है | आप जुझारू किस्म के व्यक्ति हैं |

नौकरी - व्यवसाय में उतार चढ़ाव आते रहेंगे | एक स्थिति पर आकर मार्ग अवरुद्ध होगा तत्पश्चात फिर आप मार्ग पर चलने लगेंगे |

चन्द्रमा के स्थान पर अधिक कटाव लिए रेखाएं उपस्थित हैं जिस कारण आपका स्वभाव अल्प समय में ही परिवर्तित होता रहता है अर्थात मूड फ्लक्चुएट अधिक करता है | आपको अपनी पत्नी व माता से अच्छे सम्बन्ध बना कर रखने होंगे ऐसा करने से धन प्राप्ति के मार्ग प्रशस्त होंगे | विदेश से भी धन अर्जित करने के अथवा धन आगमन के आसार हैं | माता व पत्नी से सम्बन्ध ठीक न रखने पर डिप्रेशन, मानसिक विकार व धन हानि की संभावना है |

हथेली पर मंगल ग्रह का स्थान कुछ अच्छे संकेत नहीं कर रहा है, यह जीवन में संघर्ष प्रदर्शित करता है | आपके भीतर आक्रोश व क्रोध की अधिकता की ओर संकेत कर रहा है | आप अपना घर बना सकते हैं इसकी संभावना भी बनती है किन्तु आपको अत्यधिक परिश्रम व संघर्ष करना होगा | धन संचय करना आवश्यक है तभी आप अपना स्वमं का घर बना सकते हैं |

विवाह का प्रस्ताव आपके पास आया पर चला गया | आपका विवाह 22 से 24 वर्ष की आयु की समय अवधि के मध्य संपन्न होने से आपको जीवन में अच्छा मूव प्राप्त होगा | यह समय अवधि चूकने पर विवाह की संभावना 36 से 40 वर्ष की आयु के मध्य बन रही है | पत्नी से सम्बन्ध मधुर रखने पर धन अर्जित करने के अवसर प्राप्त होते रहेंगे व खूब धन अर्जित भी करेंगे |

हथेली पर बृहस्पति ग्रह का स्थान अच्छी स्थिति नहीं दर्शाता है | इस कारण धन की स्थिति में उतार चढ़ाव आते रहेंगे | आय तो होगी किन्तु अनचाहे कार्यों में खर्च भी होती रहेगी व विवाह में बाधा व वैवाहिक संबंधों में कठिनाई आएँगी | आप धार्मिक कार्यों क्रिया कलापों की ओर चलते हैं किन्तु फिर उनसे विरक्त हो जाते हैं | ऐसा न करें | धार्मिक कार्य, दान पुण्य कर्म पूर्ण निष्ठा से करते रहें उन्हें छोड़ें नहीं | आपको अपना जीवन आनंद व सुचारु रूप से चलाने के लिए बृहस्पति ग्रह के उपाय करने होंगे |

हथेली पर शुक्र ग्रह का स्थान दर्शाता है कि आपकी रिलेशनशिप में विकास-वृद्धि नहीं होती | विवाह पश्चात फाइनेंशियल कंडीशंस पत्नी के साथ संबंधों पर आश्रित रहेंगी | शुक्र की स्थिति पारिवारिक कलह की ओर संकेत करती है अतः पत्नी से सम्बन्ध हर हाल में मधुर रखें | पत्नी की सुने व उसका समर्थन करें | कुछ समझाना हो तो प्रेमपूर्ण ढंग से उचित शब्द प्रयोग करते हुए समझाएं | आपके द्वारा प्रदर्शित आक्रोश व क्रोध आपके संबंधों में कलह, तनाव व आर्थिक हानि प्रदान करेगा | आप सबके लिए कर्म करते हैं परन्तु आपके लिए कोई कुछ नहीं करता, इससे आहत न हों व निरंतर दूसरों के लिए निःस्वार्थ भाव से कर्म करते रहें | यह भाव व कर्म आपके लिए ही हितकारी रहेंगे व जीवन में विकट समय व परिस्थितियों में आपके लिए रक्षा कवच का काम करेंगे |

हथेली पर शनि ग्रह का स्थान दर्शाता है कि आपको विदेश से आय के साधन खूब बनेंगे | चन्द्रमा का स्थान भी यही संकेत कर रहा है | आपके जीवन में आय का प्रवाह तो है किन्तु धन संचय नहीं हो पाता दूसरों कि बीमारी अथवा अनावश्यक खर्चों में चला जाता है | शनि के साथ साथ सूर्य की स्थिति भी यही संकेत कर रही है |

मंगल व शनि की स्थिति अच्छी न होने के कारण केतु व राहु के फल भी अच्छे प्राप्त नहीं होंगे क्यूंकि यह दोनों छाया ग्रह मंगल व शनि के अनुसार ही फल देते हैं |

विशेष उपाय :-

♦ आजीवन गणेशजी की विधिवत पूजा अर्चना करें, उन्हें कुमकुम लगाएं | "ॐ गं गणपतये नमः" मन्त्र का 108 जप प्रतिदिन आजीवन करें | इससे बुध, शनि व राहु देव प्रसन्न व अनुकूल होंगे | गणेशजी आपके ईष्ट देव भी हैं |

♦ "ॐ अं अंगारकाय नम:" मन्त्र के प्रतिदिन संध्या के समय 108 जप करें | जप गिनकर नहीं करने हैं तो बिना गिने जब तक कर सकें जितने कर सकें उतने करें | इससे मंगल देव शांत होंगे | 43 दिन निरंतर करें तत्पश्चात अनुकूल स्थिति आने तक करते रहें | मन्त्र जप शुक्ल पक्ष के मंगलवार से प्रारम्भ करें |

♦ "ॐ बृं बृहस्पतये नमः". मंत्र के प्रतिदिन प्रातः 108 जाप करें | जाप गिनकर नहीं करने हैं तो बिना गिने जब तक कर सकें जितने कर सकें उतने करें | इससे बृहस्पति देव शांत होंगे | 43 दिन निरंतर करें, तत्पश्चात भी करते रहें | मन्त्र जप शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार से प्रारम्भ करें | आपको अपने जीवन में शुभत्व के लिए बृहस्पति को प्रसन्न व अपने पक्ष में करना अत्यंत आवश्यक है |

♦ शराब का सेवन यदि करते है तो पूर्णतया त्याग दें अन्यथा शनि व गुरु का शुभत्व प्राप्त नहीं होगा |

♦ स्त्रियों से सम्बन्ध दिन में न बनाएं | विवाह पश्चात पत्नी से सम्बन्ध दिन के समय न बनाएं व परस्त्री से दूर रहें |

♦ गुरु की सेवा करें | बड़े बुजुर्गों की सेवा करें |

♦ कभी-कभी किसी मंगलवार के दिन संध्या के समय हनुमान जी को चोला चढ़ाएं |

♦ गाय को बृहस्पतिवार के दिन गुड़ अथवा हरा चारा खिलाएं |

♦ पिता के जीवित न होने पर प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य उदय होने से पूर्व, पूर्वमुखी होकर लाल रंग के आसान पर घर की छत्त अथवा खुले स्थान पर बैठ कर सूर्य आदित्य स्तोत्र का पाठ आरम्भ इस प्रकार करें कि पाठ सूर्योदय से पूर्व प्रारम्भ होकर सूर्योदय के पश्चात समाप्त हो | तत्पश्चात लोटे (ताम्बे) के जल में शक्कर डालकर सूर्य को अर्घ दें | शुक्ल पक्ष के रविवार से प्रारम्भ कर निरंतर 108 रविवार करें |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — — —